

भारत सरकार
Government of India
केन्द्रीय जल आयोग
Central Water Commission
बाढ़ पूर्वानुमान प्रबोधन निदेशालय
Flood Forecast Monitoring Directorate

Tele : 011-29583829, 29583545

e-mail : fmdte@nic.in, fmcwc@gmail.com

भूतल, विंग 7, पश्चिमी खण्ड-2,
रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली-110066

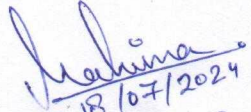
विषय : दिनांक ..18-7-24..... की समाचार की कतरन (News Clippings) प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में ।

मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचारों की कतरन (News Clippings) अवलोकन हेतु प्रस्तुत हैं :

संदर्भ : उपरोक्तानुसार

उपनिदेशक

निदेशक (बा.प.प्र.)


18/07/2024
(सहायक निदेशक) EAD (HM)

उत्तर प्रदेश में बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीसीएस की 64 टीमें लगाई गईं

उत्तराखंड के दस जिलों में भारी बारिश का अलर्ट



देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तराखंड में कई जिलों में बुधवार को मध्यम से भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के दस जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

मौसम निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने बताया कि उत्तराखंड के सभी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। देहरादून, हरिद्वार, उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, चंपावत, नैनीताल जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश का पूर्वानुमान है। इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। देहरादून में बुधवार को झमाझम बारिश हुई। जिससे तापमान सात डिग्री गिर गया। वहीं, उत्तराखंड के अलग-अलग हिस्सों में हो रही बारिश से 105 सड़कें



पटियाला में बुधवार को जलभराव के बीच गुजरते राहगीर। • एएनआई

यातायात के लिए बंद हैं। इस वजह से आम लोगों को आवाजाही में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य आपात कालीन परिचालन केंद्र की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को राज्य में बारिश की वजह से कुल 105 सड़कें बंद हैं। बारिश की वजह से सबसे अधिक 26 सड़कें पिथौरागढ़ जिले में बंद हैं। इसके अलावा पौड़ी में 12, चंपावत और टिहरी में 11-11 सड़कें बंद हैं।

अतिवृष्टि से रीठासाहिब में भारी नुकसान

हल्द्वानी। कुमाऊं के कुछ पहाड़ी क्षेत्रों में मंगलवार रात से हुई बारिश ने भारी तबाही मचाई है। चम्पावत जिले के रीठासाहिब क्षेत्र में अतिवृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। कई जगह मलबा आने से बंद हुआ पिथौरागढ़-टनकपुर नेशनल हाईवे बुधवार शाम करीब 13 घंटे बाद खोला जा सका। बुधवार को टनकपुर-जौलजीबी सड़क (टीजे सड़क) पर पुल निर्माण कार्य के लिए बना पूरा कैपस महंगे उपकरणों समेत भारी बारिश से बह गया।

केरल में आठ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम। केरल में भारी बारिश के दौर के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को राज्य के आठ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट तथा छह जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के कारण भूस्खलन, संपत्ति की क्षति, सड़कों पर जलभराव और कई एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। इसके साथ ही केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने दक्षिणी राज्य में विभिन्न नदियों के जलस्तर में खतरनाक वृद्धि को लेकर चेतावनी जारी की है।

कर्नाटक में भारी बारिश से तुंगा नदी में उफान

बेंगलुरु। दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम ने तुंगा नदी का पानी खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने की अपील की है। दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम को श्रृंगेरी मठ के नाम से भी जाना जाता है। यह कर्नाटक के चिकमगलूर जिले में स्थित है। पीठम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल से एक पोस्ट कर कहा कि श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है और उनसे नदी के तटों से दूर रहने का आग्रह किया जाता है।

उत्तर प्रदेश में राप्ती रौद्र रूप में, सर्पदंश से 10 की मौत

लखनऊ, विशेष संवाददाता। प्रदेश के तीन जिलों गोंडा, सिद्धार्थनगर और गोरखपुर में राप्ती नदी खतरे के निशान के ऊपर बहने से बाढ़ से कई गांव प्रभावित हो गए हैं। इस दौरान 10 लोगों की मौतें भी हुई हैं।

सिंचाई विभाग के अनुसार गोरखपुर में बर्डघाट, रिगौली में राप्ती नदी खतरे

के निशान के ऊपर बह रही है। सिद्धार्थनगर के ककरही में बूढ़ी राप्ती और उसका बाजार में कुन्हरा नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। गोंडा में क्वानों नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के 23 जिलों में 120 फीसदी से अधिक

वर्षा और 19 जिलों में सामान्य वर्षा दर्ज की गई। पीलीभीत, गाजीपुर व एटा में डूबने से एक-एक और मुरादाबाद व गोरखपुर में तीन-तीन की मौतें हुई हैं।

बाढ़ प्रभावितों के लिए 64 टीमें लगाई गईं : बाढ़ प्रभावितों को सुरक्षित बचाने व हर संभव मदद के लिए

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीसीएस की 64 टीमें लगाई गई हैं। इन टीमों की मदद से प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

बाढ़ शरणालयों में रहने वालों के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं, जिससे प्रभावितों को किसी तरह की कोई समस्या न होने पाए।

As rains intensify, flood-control measures fall short

ANSHITA MEHRA
TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, JULY 17

The Capital recorded a staggering 243.4 mm of rainfall since June 1, far exceeding the normal 74.1 mm for this period. Several areas experienced waterlogging and fatalities due to the heavy rain, causing significant inconvenience to residents. Despite this, flood-control efforts seem to lag, raising concerns about potential flooding this season.

With the horrific memories of the 2023 floods still fresh, the Delhi Government appears to be slow in implementing proactive flood-control measures. Residents report that they are yet to see effective strategies for timely management or aggressive flood control, even as the monsoon season has begun.

Aaliya, a Delhi University student, recalls the chaos of last year's floods. "Although I have been living in Delhi since my birth, the floods last

Capital records 243.4 mm of rainfall since June 1, far exceeding the normal 74.1 mm for this period

'NO LESSONS LEARNT'

“Although I have been living in Delhi since my birth, the floods last year were the worst I have ever seen. Travelling became almost impossible. This year, we again saw severe waterlogging in June, which means no lessons have been learnt.” — Aaliya, A DELHI UNIVERSITY STUDENT.

'STREETS TURN INTO RIVERS'

“Flooding recurs every year. As soon as it rains, drains clog and the streets turn into rivers. Now, it doesn't even take heavy rainfall, just 15 minutes of rain can disrupt lives. This is the national capital.” — Anjali, A DELHI RESIDENT

year were the worst I have ever seen. Travelling became almost impossible. This year, we again saw severe waterlogging in June, which means no lessons have been learnt,” she said.

Ankita Sharma, a resident of Vasant Vihar, shared the

same scepticism. “I've seen people occasionally come to clean drains, but they often leave the slush unattended nearby. This results in waste going back into the drains after rain, causing waterlogging,” she says, noting that this is a common sight.

Despite claims of the AAP-led Delhi Government about taking action — such as implementing strategies for 20 flood-prone areas and desilting 92 per cent of drains by the Municipal Corporation of Delhi (MCD) — the reality on the ground is different.

In areas like Moti Nagar in West Delhi, several residents spoke to *The Tribune* about the state government's absence. Anjali, a resident, said, “Flooding recurs every year. As soon as it rains, drains clog, and the streets turn into rivers. Now, it doesn't even take heavy rain-



A man pushes his two-wheeler through a waterlogged road. FILE

11 DEATHS IN TWO DAYS

- Cab driver (45) died near the Delhi airport after a canopy fell over his parked car on June 28
- 3 construction labourers died at an under-construction site in Vasant Vihar on June 28
- A 40-year-old man died due to electrocution in Rohini's Prem Nagar on June 28
- A man, in his late 20s, drowned in a flooded underpass in Shalimar Bagh area on June 28.
- Two boys drowned in a waterlogged underpass in Badli on June 29
- In Okhla, a 60-year-old man died after he got stuck with his scooter in a waterlogged underpass on June 29
- In outer north Delhi's Samaypur Badli, two boys drowned in a waterlogged section of an underpass on June 29

fall; just 15 minutes of rain can disrupt lives. This is the national capital, and I have no hope that the government will take action to prevent a repeat of last year's situation.”

Attempts to reach Anil Kumar, Chief Engineer of the Irrigation and Flood Control

Department in Delhi, to enquire about the state government's flood-control measures after last year's crisis went unanswered.

In response to the severe rainstorm on June 28, which recorded the highest single-day rainfall since 1936 and resulted in 11 deaths, Delhi ministers Saurabh Bharadwaj and Atishi inaugurated a 24/7 flood-control centre. The Delhi Government also launched a WhatsApp chatbot (8130188222) and a helpline (1800110093) specifically for reporting waterlogging issues.

A phone call made by *The Tribune* correspondent to the 24/7 flood-control helpline revealed that it receives an average of 250 calls daily regarding waterlogging, flooding and sewer drainage complaints. After the mess of 2023, the Delhi Government has made this helpline the central control centre for all types of waterlogging and drainage complaints.

CONTINUED ON PAGE 3

6

मेरी कॉलोनी : दि

दिलशाद कॉलोनी। हरि नगर। संगम विहार। पालम कॉलोनी। रोहिणी। सिविल लाईंस। लाजपत नगर। विकासपुरी। शास्त्री नगर। मॉडल टाउन। गांधी नगर

NBT
CITIZEN
REPORTER

आपकी आवाज

आपकी
खबर
से

बदलेगा शहर

वेबसाइट nbtcitizen.com
पर जाकर लॉगिन करें।
रजिस्ट्रेशन के बाद खबर, फोटो और
विडियो अपलोड करें।

**एक साल से रोड
बनने का इंतजार**



नजफगढ़

पिछले एक साल से दीनपुर दुर्गा
विहार की मेन रोड नहीं बनने
के कारण नालियों का पानी और
मलबा रोड पर जमा है। ऐसे में
अक्सर यहां हादसे होते रहते
हैं। रात के वक्त हालात ज्यादा
खराब हो जाते हैं। - सिटीजन
रिपोर्टर मुकेश जुयाल

थोड़ी बारिश में पालम मेट्रो स्टेशन के नीचे पानी ही पानी

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

बारिश के बाद मजेटा लाइन पर मौजूद
पालम मेट्रो स्टेशन के नीचे सड़क पार
करने में लोगों को काफी मशक्कत करनी
पड़ती है। दरअसल, ड्रेनेज सिस्टम ठीक
नहीं होने पर बारिश होने के बाद इस स्टेशन
के चारों तरफ पानी भर जाता है। ऐसे में मेट्रो
स्टेशन के सामने खड़े लोग यह सोचने पर
मजबूर हो जाते हैं कि वह मेट्रो स्टेशन के
अंदर कैसे जाएं?

एनबीटी सुरक्षा कवच ग्रुप पालम से जुड़े
लोगों ने इस समस्या को

प्रमुखता से उठाया।

उन्होंने कहा कि ड्रेनेज

व्यवस्था ठीक नहीं

होने की वजह से हर

साल जरा सी बारिश में

यहां पर यही हाल होता

है। न सिर्फ पालम मेट्रो

स्टेशन बल्कि मंगलापुरी बस टर्मिनल से

द्वारका की तरफ जाने वाली रोड, पालम

मेन मार्केट की रोड पर घुटनों तक पानी

भर जाता है। इस वजह से ई-रिक्शा वाले

लोगों से सड़क पार करवाने के बदले 20

रुपये तक लेते हैं। एनबीटी सुरक्षा कवच

ग्रुप से जुड़े बालकृष्ण अमरसरिया ने बताया

कि जलभराव की स्थिति में मेट्रो यात्रियों

के पास कोई विकल्प नहीं होता। हर साल

बारिश में ऐसा ही होता है। जाम लगने की

सूरत में बसे भी डायवर्ट होकर द्वारका से



ड्रेनेज सिस्टम ठीक नहीं होने के कारण स्टेशन के चारों तरफ पानी भर जाता है



पानी भरने पर लोगों को मजबूरी में
इससे गुजरना पड़ता है

सीधे फ्लाईओवर पर चढ़ जाती हैं और
मंगलापुरी बस स्टॉप की तरफ नहीं आती।

**‘सड़क पार करने में
होती है परेशानी’**

एनबीटी सुरक्षा कवच ग्रुप से जुड़े
विनोद राणा ने बताया कि पिछले दिनों
उन्हें जरूरी काम से आईटीओ जाना
था। वह अपनी गाड़ी से पालम मेट्रो
स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन वहां जलभराव
की स्थिति देखकर उन्होंने गाड़ी को
मेट्रो स्टेशन से काफी दूर खड़ा किया।
फिर एक ई-रिक्शा से सड़क पार कर
मेट्रो स्टेशन में गए। जरा सी दूरी के
लिए उन्हें ज्यादा किराया देना पड़ा।
लोगों के अनुसार महज आधे घंटे
बोने पर यहां पूरे इलाके में पानी भर
जाता है।

1, 2...15: BIHAR'S BRIDGE BREAKDOWN

Fifteen bridges collapsed across northern Bihar in less than a month, highlighting construction flaws, use of substandard materials, design violations, cost-cutting, oversight, environmental factors like flooding due to rain, and external causes like heavy vehicle traffic and desiltation work causing deep scouring around the pillars

June 23 | Bridge near Amawa village, East Champaran dist. A two-span bridge on Sarehi nulla, a project under CM Nitish Kumar-led NDA govt, collapsed a day after construction continued past the mandatory June 15 stop due to rain in the district and Nepal. Two engineers suspended

July 16 | Bridge across Parman river at Amhara village in Araria dist. Built in 2008-09 under CM Nitish Kumar-led NDA govt. Closed for traffic after suffering damage in 2017, it was swept away by this monsoon's floodwaters



July 10 | Bridge in Mahishi, Saharsa dist. Built in 2005 under CM Rabri Devi-led RJD govt. This small bridge collapsed under the pressure of floodwaters from Kosi river

bridge, Maharajganj, Siwan dist. Built in 1998 with MPLAD funds when CM Rabri Devi-led RJD was in office, desiltation around its pillars caused this bridge to fall. **Cost: Rs 15 lakh**

July 4 | Bridge on Dhamahi river, Siwan dist. Constructed with MNREGA funds under CM Nitish Kumar-led NDA govt, this bridge collapsed due to river water pressure. **Cost: Rs 5 lakh**



July 4 | Sareya bridge, Baniapur, Saran dist. A 2019 MNREGA project under CM Nitish Kumar-led NDA govt, this bridge collapsed due to water pressure after desiltation. **Cost: Rs 7.5 lakh**

July 3 | Bridge in Deoria, Maharajganj, Siwan dist. Constructed in 2004 with MPLAD funds when CM Rabri Devi-led RJD was in office, this bridge collapsed due to desiltation work around its pillars. **Cost: Rs 15 lakh**

July 3 | Nautan Sikandarpur

July 3 | Bridge near Bhikhabad, Maharajganj, Siwan dist. A victim of Gandaki river desiltation, this 2004 bridge was constructed with MPLAD funds when CM Rabri Devi-led RJD was in office. **Cost: Rs 15 lakh**

July 3 | Bridge near Doodhnath temple, Lahladpur, Saran dist. Built by the local mukhiya with Panchayati Raj funds when CM Nitish Kumar-led NDA was in office, this bridge collapsed due to desiltation. **Cost: Rs 22 lakh**

July 3 | British-era bridge, Saran dist. An 80-year-old bridge parallel to a newer 2004 construction, it could not withstand the water pressure after desiltation



June 30 | Bridge over Bundi river, Thakurganj, Kishanganj dist. Built in 2007-08 with MPLAD funds when CM Nitish Kumar-led NDA was in office, this bridge collapsed under flood pressure. **Cost: Rs 15 lakh**

June 27 | Bridge over Maria river, Bahadurganj, Kishanganj dist. Built in 2011 with MPLAD funds when CM Nitish Kumar-led NDA was in office, this bridge's top slab collapsed due to river flooding. **Cost: Rs 35 lakh**

June 25 | Bridge over Bhutahi Balan river, Madhubani dist. The under-construction bridge, a project under CM Nitish Kumar-led NDA govt, collapsed due to improper girder support against the rushing water. Work had continued past the June 15 (monsoon) prohibition date



June 22 | Bridge near Padaeen Tola, Maharajganj, Siwan dist. Desiltation work under Gandak-Ganga project led to the collapse of this 1982-83 bridge, constructed during Congress govt of CM Jagannath Mishra. **Cost: Rs 6 lakh**

June 18 | Bridge over Bakra river, Araria dist. An under-construction bridge, initiated in May 2021 by CM Nitish Kumar-led NDA govt, collapsed due to inadequate pillar depth and substandard materials. Four engineers suspended

